B.A. (Three Years Degree Program)	
First Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN5000T**
Title of the Course	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 4.5
Credit of the course	6
Type of the course	Discipline Centric Compulsory Course (DCC) in Hindi
Delivery type of the Course	90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.
Prerequisites	Foundation level (Equivalent to 10+2)
Co-requisites	None
Objectives of the course	• आदिकालीन एवं भक्तिकालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं के अध्ययन से विद्यार्थियों में आदिकालीन और मध्यकालीन काव्य की समझ विकसित करना। • विद्यार्थियों में भक्ति साहित्य में वर्णित दार्शनिक चेतना की समझ विकसित करना। • प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य में वर्णित मूल्य चेतना और सरोकारों का ज्ञान करना। • सामाजिक एकता अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य की भूमिका का ज्ञान कराना। • भक्ति आंदोलन की अवधारणा, परिभाषिक शब्दावली और विचारों पर चिंतन। • रीतिकालीन साहित्य और साहित्यकारों के परिचय और वैशिष्ट्य का ज्ञान कराना।
Learning outcomes	• प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य के अध्ययन के माध्यम

	से चिंतन दृष्टि को विकसित हो सकेगी। • हिंदी साहित्यकारों एवं साहित्येतिहास के जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे। • प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य में वर्णित संवेदना, रचनात्मकता एवं सौंदर्य चेतना से परिचित हो सकेंगे। • प्राचीन और मध्यकालीन साहित्य के सामाजिक और संस्कृतिक संदर्भों में विवेचन–विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
Syllabus	
UNIT-I	• **ढ़ोला मारू रा दूहा : नरोत्तम दास स्वामी, सूर्यकरण पारीक** (मारवणी का संदेसा) दोहा संख्या 110, 111, 141 से 155 • **बीसलदेव रास : नरपति नाल्ह**, संपादक : डॉ. माता प्रसाद गुप्त तथा श्री अगरचंद नाहटा, हिंदी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद से पद संख्या 1, 3, 4, 6, 7, 8, 9 एवं 10 गउरिका नंदन त्रिभुवन सार..... (पद संख्या 1) हंस गमणि मृगलोयणी नारि..... (पद संख्या 3) हंस वाहणि देवी करि धरइ वीण..... (पद संख्या 4) भोजराज तणउ मिल्यउ छइ दिवाण..... (पद संख्या 6) पंडित तोहि बोलावइ रे राइ..... (पद संख्या 7) बंभण भाट बोलाविया राउ..... (पद संख्या 8) गढ अजमेरि बसइ रे भुआल..... (पद संख्या 9) दीन्ही सोपारीयउ नइ हरषिय.....(पद संख्या 10) • **विद्यापति : विद्यापति पदावली, सं. शिवप्रसाद सिंह** से चयनित अंश : नंदक नंदन कदम्बेरि तरुतरे..... (पद संख्या 8) सुन रसिया अब न बजाऊ बिपिन बँसिया.... (पद संख्या 9) विरह व्याकुल बदुल तरुतर..... (पद संख्या 26) कुंज–भवन सँ चलि भेलि हे..... (पद संख्या 36)

	सखि हे कतहु न देखि मधाई..... (पद संख्या 55) • **रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मकप्रश्न।** **(18 Lectures)**
UNIT -II	• **कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपादक : श्यामसुंदर दास से चयनित अंश :** गुरुदेव कौ अंग, मन कौ अंग तथा पद संख्या 1, 2, 3, 23, 39 • **जायसी : जायसी ग्रंथावली, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल से चयनित अंश** सिंहल द्वीप–वर्णन खंड .....(पद संख्या 1 से 5) मानसरोदक खंड ..... (पद संख्या 1 से 7) • **दादू : दादूदयाल, संपादक : परशुराम चतुर्वेदी** से चयनित अंश सुमिरण कौ अंग से प्रथम 20 दोहे विरह कौ अंग से प्रथम 20 दोहे • **रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।** **(18 Lectures)**
UNIT-III	• **सूरदास : भ्रमरगीत सार, सं.: आचार्य रामचंद्र शुक्ल से चयनित पद :** कहियो नंद कठोर भए ..... (पद संख्या 02) पथिक ! संदेसो कहियो जाय ..... (पद संख्या 09) आयो घोष बड़ो व्योपारी ..... (पद संख्या 23) उधौ ! मन नाहीं दस बीस ..... (पद संख्या 210) हम तो नंदघोस की बासी ..... (पद संख्या 20) आए जोग सिखावन पाँड़े ..... .(पद संख्या 25) निर्गुण कौन देश को बासी ..... (पद संख्या 64) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै ..... .(पद संख्या 24) उर में माखन चारे गड़े..... (पद संख्या 95) बिन गोपाल बैरिन भई कुंजै ..... (पद संख्या 85)

	• **तुलसीदास : रामचरित मानस : बालकांड से चयनित अंश** दोहा संख्या 229 से 234 (कंकन किंकिनी ..... छत्रि बाढ़हि प्रीति।) • **तुलसीदास : विनयपत्रिका : गो. तुलसीदास, सं. वियोगी हरि से चयनित अंश** (विनय खंड से पद संख्या 65 से 70 तक।) राम राम रमु ..... (पद संख्या 65) राम जपु, राम जपु ..... (पद संख्या 66) राम–नाम जपु जिय ..... (पद संख्या 67) राम राम राम जीह ..... (पद संख्या 68) सुमिर सनेह सों तू नाम .....(पद संख्या 69) भलो भली भाँति है जो मेरे .....(पद संख्या 70) • **मीरा के चयनित पद :** भज मन चरन कँवल अबिनासी राम रतन धन पायो मैया आली री मेरे नयनन बान पड़ी दरस बिन दूखन लागे नैन बसो मेरे नैनन में नँदलाल • **रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।** **(18 Lectures)**
UNIT-IV	• **केशवदास : रामचंद्रिका से रावण–अंगद संवाद।** • **घनानंद : आनंदघन संपादक : रामदेव शुक्ल से चयनित अंश** रैन–दिना घुटिबो करै प्रान ..... (पद संख्या 21) अति सूधो सनेह को मारग है ..... (पद संख्या 32) एरे बीर पौन तेरे सवै ओर गौन ..... (पद संख्या 34) तिहारे कौन कौन गुन गाऊं ..... (पद संख्या 59) भरोसो रावरो हमें ..... (पद संख्या 65) • **बिहारी : बिहारी रत्नाकर : प्रथम 10 दोहे।**

	• रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Lectures)**
UNIT-V	• प्राचीन एवं मध्यकाल का परिचयात्मक इतिहास, परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ और कवि एवं रचना परिचय। **(18 Lectures)**
सहायक ग्रंथ Reference Books	1. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 2. रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। 3. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. डॉ. नवीन नंदवाना : काव्य संचयन, मलिक बुक कंपनी, जयपुर।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/